सत्र I & II

पाठ्यक्रम: HIN-521

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल

श्रेयांक: 04(60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी साहित्येतिहास का संक्षिप्त परिचय होना अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• इतिहास एवं साहित्येतिहास से संबंधित दृष्टिकोणों से अवगत कराना। • हिंदी साहित्येतिहास लेखन के स्रोतों एवं परंपरा का परिचय देना। • आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन परिवेश एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचित करना। • हिंदी साहित्येतिहास लेखन और परंपरा के महत्त्व को समझाना।	
पाठ्य विषय	**1. हिंदी साहित्येतिहास की भूमिका:** • इतिहास-दर्शन की रूपरेखा • साहित्येतिहास: परंपरागत दृष्टिकोण एवं नएसिद्धांत • हिंदी साहित्येतिहास लेखन के स्रोत • हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा • काल विभाजन एवं नामकरण	**16**
	2. आदिकाल: • अपभ्रंश और हिंदी साहित्य • सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य • रासो काव्य की परंपरा और उसकी साहित्यिकता • लोक-साहित्य	**16**
	3. भक्तिकाल: • भक्ति आंदोलन एवं सांस्कृतिक चेतना • निर्गुण काव्यधारा (संत काव्य एवं सूफ़ी काव्य) • सगुण काव्यधारा (कृष्ण एवं राम भक्ति काव्य)	**18**
	4. रीतिकाल: • रीतिकाल: उद्भव और विकास • दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य • रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख धाराएँ • रीतिकालीन साहित्य के अन्य पक्ष (वीर, भक्ति एवं नीति काव्य)	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,स्वाध्याय,संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण, अभिलेखागार-भेंट	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) गुप्त, गणपतिचंद्र.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007. 2) गुप्त, गणपतिचंद्र. हिंदी साहित्येतिहास परंपरागत दृष्टिकोण एवं नए सिद्धांत. अटलांटिक पब्लिशर्स ऐंड	

	डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली, 1989. 3) डॉ॰ नगेंद्र, डॉ॰ हरदयाल (सं॰). हिंदी साहित्य का इतिहास. मयूर पेपरबैक्स, नई दिल्ली, 2018. 4) द्विवेदी,हज़ारी प्रसाद. हिंदी साहित्य का आदिकाल. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2008. 5) पांडेय, मैनेजर. साहित्य और इतिहास दृष्टि. पेपरबैक्स वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2021. 6) पांडेय, रामसजन (सं॰). हिंदी साहित्य का इतिहास. संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2013. 7) मिश्र, डॉ॰ भगीरथ. हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010. 8) राजे, डॉ॰ सुमन. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास. भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2016. 9) वर्मा, रामकुमार. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010. 10) शुक्ल, आ॰ रामचंद्र. हिंदी साहित्य का इतिहास. मलिक ऐंड कंपनी, जयपुर, 2016.	
अधिगम परिणाम	• इतिहास एवं साहित्येतिहास से संबंधित दृष्टिकोणों से अवगत होंगे। • हिंदी साहित्येतिहास लेखन के स्रोतों एवं परंपरा का परिचय होगा। • आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल के परिवेश एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। • हिंदी साहित्येतिहास लेखन और परंपरा के महत्त्व को समझ सकेंगे।	